ISSN No. 2394-9996

``हिंदी भाषा और साहित्य का बदलता परिवेश``

प्रा. डॉ. गोविंद पांडव
हिन्दी विभाग अध्यक्ष
लोकमान्य टिलक महाविद्यालय
वडवणी जि. बीड.

भूमिका :-

मानव इतिहास में उन्नसवीं और बीसवीं शताब्दियाँ अपनी अनेक विशेषताओं के कारण हमेशा जानी जाती रहेंगी। मानव सभ्यता का परिष्कार इसी युग में हुआ। जितने इतिहास पुरूष इस कालखण्ड में जन्मे और जितनी राजनैतिक,वैचारिक, निर्माणकारी, विनाशकारी क्रांतियाँ इस युग में हुई; उनके लिए यही कहा जा सकता है `न भूतो न भविष्यति`।

समय की इस अथह तह में जाना न तो संभव है और नही वह हमारा अभीष्ट। इस युग में विज्ञान ने ज्ञान को धकियाते हुए अपना वर्चस्व स्थापित किया। रेडियों, टेलिवीजन, बहुविध चैनल्स, कम्प्यूटर, आदि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा मिडिया का प्रचलन विस्तार प्राप्त कर चुका। इन सारी संसाधनों से विश्व का कोई भी कोना अछूता नही रहा है। हर क्षेत्र को मिडिया ने अपने कब्जें में लिया है।

इंटरनेट की सुविधा प्रदान करनेवाली कंपनियों द्वारा इंटरनेट की सुविधा हमें आरंभ में (VSNL) विदेश संचार निगम लिमिटेड द्वारा दी जाती थी। अब मोबाईल की अन्य कंपनियॉ भी अपने सिमकार्ड के माध्यम से मिडिया से जुड गयी है।

वर्ल्ड वाइड वेब (World wide web) सामान्यत: इसके लिए www शब्द का प्रयोग किया जाता है। यह पूरे संसार में फैला हुआ एक बहुत बडा डाटा बेस है। कोई भी व्यक्ति अथवा संस्था अपनी सूचनाएँ वेब पेज पर उपलब्ध करा सकती है। वेबपेज को वेबसाइट (website) भी कहा जाता है। प्रत्येक विषय की अलग वेबसाईट होते हैं। जैसे व्यापार एवं वाणिज्य, मनोरंजन, शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ, संगीत, तस्वीरें, फिल्म, आदि। वेबसाईट पर उलब्ध किसी भी संस्था की जानकारी

के प्रथम पृष्ठ को उस संस्था का होमपेज कहा जाता है। इस होमपेज के इंटरनेट पते का URL अर्थात (Universal Resource Locater) कहा जाता है।

बहुआयामी सुविधा सम्पन्न और उपयुक्त वेबसाइटें इस प्रकार हैं।—

1. रीडिफ.कॉम - रीडिफ को भारत में याहू कहा जाता है। सन 1996 में अजित बालकृष्णन ने याहू की तर्ज पर रीडिफ की शुरूआत की। इससे बहुत सारी सेवाएँ उपलबध हो जाती हैं।

2. इंडिया.कॉम - भारत की सबसे अधिक देखी जानेवाली यह इंटरनेट कंपनी है।

3. इंडिया. बुल्स कॉम `- शेयर बाजार की जानकारी देती हुई भारत की यह सर्वाधिक आय प्राप्त करनेवाली इंटरनेट आधारित कम्पनी है।

4. नौकरी. कॉम - (http/www.naukari.com) रोजगार की एक महत्वपूर्ण इंटरनेट वेबसाइट।

5. शादी. कॉम - यह युवाओं के लिए सुयोग्य एवं अनुरूप जीवनसाथी की जानकारी देनेवाली वेब है।

हिंदी साहित्य लिखित होकर भी आज दर्शक एवं पाठक की सुविधा के लिए कम्प्यूटर पर भी उपलबध है। यदि गुगल के होमपेज पर हिंदी साहित्य की किसी रचना या रचनाकार या विधा का शीर्षक टाइप करके खोजें तो हमें हिंदी साहित्य से समबन्धित ऑप्शन्स प्रकट होते हैं। इ-लर्निंग द्वारा हमें हिंदी साहित्य का अध्ययन अधिक सुलभ बन गया है। इसके लिए अनेकविध वेबसाइट काम आते हैं। आज मिडिया, इंटरनेट के माध्यम से हिंदी साहित्य का परिवेश भी बदल गया है। साहित्य में भी इस से सम्बध्द रखनेवाली रचनाओं का समावेश हो रहा है।

हिंदी साहित्य और वेब -

पुस्तक विक्रेताओं ने भी अपनी व्यवस्था बदल ली। उनको सब विभिनन विषयों से सम्बध्द किताबें रखने के लिए पहले की तरह विशाल स्थान की आवश्यकता नहीं है अब उनके अपने वेबसाइट हैं जिनके माध्यम से ग्राहक किताबें खोज सकते हैं, उनकी विषय` सूची, मूल्य, सम्बध्द विषयों की अन्य किताबें, लेखक का विस्तृत जीवनवृत्त, पुस्तकों की समीक्षाएँ, पाठकों की प्रतिक्रियाएँ आदि जानकारी

प्राप्त कर सकते हैं। हिन्दी साहित्य के लिए भी बहुत सारी वेबसाइट इंटरनेट पर मौजूद हैं, जिनके माध्यम से हम कई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

हिंदी साहित्य की गद्य, पद्य, नाटक, उपन्यास, कहानी, जीवनी, रेखाचित्र, डायरी, आदि विधाओं तथा रचनाकार, प्रकाशक, प्रकाशन स्थल, मूल्य, सूची आदि का बोध निम्न वेबसाइट द्वारा प्राप्त होता है। हिन्दी साहितय से सम्बध्द रखनेवाली कुछ महत्वपूर्ण वेब इस प्रकार हैं.....

1. www.sahityakunj.net साहित्यकुंज की यह वेब हिंन्दी साहित्य की बहुविध, रचनाकारों की जानकारी देती है।
2. www.kavitakosh.org कविताकोश हिन्दी कविता के संदर्भ में वेब है।
3. www.hindinest.com. साहित्य से सम्बनिधत वेब।
4. www.bestghazals.blogspot.com हिंदी की बेहतरीन गजलें और नजमें प्रस्तुत करनेवाली वेब।
5. www.samkalin sahitya.com हिंदी की समकालीन साहित्य.
6. http/www.wikisource.org/wiki/category.hindi विकिसोर्स यह हिंदी साहित्य का खजाना प्रस्तुत करनेवाली वेब है।
7. www.kalanath.blogspot.com हिंदी की साहित्य यात्रा की यह वेबसाइट है।
8. www.kavineeraj.blogspot.com कविव्यसुधा की यह वेब है।
9. http/www.hindisewa.com हिंदी सेवा की यह वेब।
10. wwwhindibhashi.com हिंदी भाषा यह वेब नये प्रकाशन की जानकारी देती है।
11. http/www.aajkeegazal.Blogspot.com यह नयी-नयी हिंदी उर्दु गजलों, शेरो-शायरी के लिए विख्यात वेब है।
12. wwwshodhganga.com यह म. गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वद्यालय वर्धा द्वारा निर्मित शोधग्रंथो के संकलन की वेब है।

13. wwwpratilipi.com इससे भारत की प्रकाशन संस्थायें, साहित्यकार, हिंदी रचनाओं का परिचय होता है।

इसके साथ ही किसी एक साहित्यकार का नाम मुद्रित करके यदि हम सर्च करे तो गुगल के कई पृष्ठ सामने आते हैं।

संक्षेप में :-

सच मानिए तो इंटरनेट और उसका प्रक्षेपण तथा संचलन दुनिया के लिए बडा वरदान है। हिंदी साहित्य के क्षेत्र का ऐसा कोई भी कोना बचा नही है, जो इंटरनेट तथा वेबसाइट के पर्दे से दूर हो। हिंदी अध्यापकों विद्वानों, शोधछात्रों के लिए वेबसाइट बेहद महत्वपूर्ण हैं। अपने शोधग्रंथो की पूर्ति में, अध्ययन में वेबसाइट के द्वारा सही एवं उपयुक्त खोज बिलकुल थोडे समय में ओर किफायती दाम में हम कर सकते हैं। शोध आलेख एवं शोधग्रन्थ की प्रस्तुति में PPT(Power Point Presention) की तैयारी के लिए भी वेबसाइट की खोज महत्वपूर्ण है। हम यह कह सकते हैं कि यत्र तंत्र, सर्वत्र इंटरनेट एवं वेब का ही बोलबाला है। इंटरनेट के कारण आज हिंदी साहित्य का परिवेश बडी तेज गति से बदल रहा है।

संदर्भ सूची -

1. डॉ. माधव सोनटक्के- हिंदी के अद्यतन अनुप्रयोग
2. डॉ. माधव सोनटक्के - प्रयोजनमूलक हिंदी
3. डॉ. रमा दूधमांडे - उत्तर आधुनिक समाज और विज्ञान
4. सं.प्रो. त्रिभुवननाथ शुक्ल `- साक्षात्कार मार्च 2012
5. ऑनलाइन खोज - hindiwebsahitya.org